ट्रैफिक लाइट

आरिफा खातून, रिसर्चर, कानपुर

रोहन और प्रिया स्कूल जा रहे थे। रास्ते में रेड सिग्नल होने पर उनकी गाड़ी रुकी तभी उन्होंने देखा की एक बाइक सवार आदमी ट्रैफिक सिग्नल का उल्लंघन कर निकल गया।

रोहन ने प्रिया से कहा, “हमें ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए फिर अंकल ने नियम क्यों तोड़ा"?

अभी वे रास्ते में आगे बढ़े ही थे कि उन्होंने देखा की सड़क पर भीड़ जमा है। वह दोनों भीड़ के पास गए। रोहन - “प्रिया, यह तो वही अंकल हैं जो ट्रैफिक नियम तोड़कर भागे थे”। वह आदमी दर्द से कराह रहा था, लेकिन उसकी मदद के लिए कोई आगे नहीं आ रहा था। सब फ़ोटो और विडियो बनाने में लगे थे। प्रिया ने रोहन से कहा, “हमें इनकी मदद करनी चाहिए”। रोहन ने तुरंत एम्बुलेंस को कॉल कर अंकल को अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

यह देखकर एकत्रित भीड़ बच्चों की प्रशंसा करने लगी, लेकिन रोहन को इससे बहुत गुस्सा आया।

उसने कहा - आप लोगों को शर्म आनी चाहिए! अंकल की मदद करने के बजाय आप सभी अपने-अपने मोबाइल फोन से फोटो और विडियो बना रहे हैं। रोहन की बात सुनकर सभी लोग बहुत शर्मिंदा हुए और माफी मांगी।

कभी-कभी बच्चे हमें अपनी उम्र से बड़ी सीख दे जाते हैं।